

संस्कृत वर्णमाला

(The Sanskrit Alphabet)

- जिस मूल ध्वनि को खंडित नहीं किया जा सकता, उसे **वर्ण** कहते हैं, यथा—अ, इ, उ, ऋ, ए, ओ, आदि। वर्णों (letters) का समूह **वर्णमाला** कहलाता है। वर्ण दो प्रकार के होते हैं—**स्वर** (vowels) एवं **व्यञ्जन** (consonants)।

स्वर वर्ण (Vowels)													
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ॠ	ऌ	ॡ	ए	ऐ	ओ	औ

व्यञ्जन वर्ण (Consonants)												
क्	ख्	ग	घ	ङ्						‘क’ वर्ग] स्पर्श	
च्	छ्	ज्	झ	ञ्						‘च’ वर्ग		
ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्						‘ट’ वर्ग		
त्	थ्	द	ध	न्						‘त’ वर्ग		
प्	फ्	ब	भ	म्						‘प’ वर्ग		
अन्तःस्थ—य, र, ल, व्												
ऊष्म—श, ष, स, ह												
अयोगवाह—(Dependent sounds) ÷ (अनुस्वार), : (विसर्ग)												

- स्वर वर्ण के तीन प्रकार हैं—

ह्रस्व स्वर (Short vowels)—अ, इ, उ, ऋ, ए

दीर्घ स्वर (Long vowels)—आ, ई, ऊ, ॠ

संयुक्त स्वर (Diphthongs)—ए, ऐ, ओ, औ

व्यञ्जन स्वर या मात्रा चिह्न मात्रा युक्त व्यञ्जन

1.	क्	+	अ	(x)	=	क
2.	क्	+	आ	(I)	=	का
3.	क्	+	इ	(i)	=	कि
4.	क्	+	ई	(ी)	=	की
5.	क्	+	उ	(u)	=	कु
6.	क्	+	ऊ	(ू)	=	कू
7.	क्	+	ऋ	(ृ)	=	कृ
8.	क्	+	ॠ	(ॄ)	=	कॄ
9.	क्	+	ए	(॑)	=	के
10.	क्	+	ऐ	(॒)	=	कै
11.	क्	+	ओ	(ो)	=	को
12.	क्	+	औ	(ौ)	=	कौ
13.	क्	+	अं	(ं)	=	कं
14.	क्	+	अः	(ः)	=	कः

Q 97

यञ्जन . द . प . ग . र . स

Q 21

ह्रस्व	दीर्घ	संयुक्त
अ	आ	ए
इ	ऊ	औ

Q 31

97

27

31

8-

47